रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 13 सितम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 229 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

लाड़ली बहनों के खाते में 1541 करोड़ रुपए ट्रांसफर

झाबुआ में CM ने कहा- कांग्रेसियों को घर में घुसने मत देना, मोहल्ले में आने मत देना

झाबुआ : राजेश सोनी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार दोपहर झाबुआ के पेटलावद पहुंचे। उन्होंने यहां सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश की 1.29 करोड़ लाड़ली बहनों के खाते में 1541 करोड़ रुपए की 28वीं किश्त ट्रांसफर की। सीएम ने कहा कि इस दीपावली के बाद 1500 रुपए लाड़ली बहनों के खाते में दिए जाएंगे। सीएम ने इसके अलावा, जिले के 345.34 करोड़ लागत की राशि के 72 से अधिक विकास कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण किया। इसमें विभिन्न विभागों के 194.56 करोड़ लागत राशि के 35 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं 150.78 करोड़ लागत राशि के 37 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

कांग्रेस ने बहनों को फूटी कौड़ी नहीं दी

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेसी कहते हैं कि बहनें दारू पी जाते हैं। ऐसे कांग्रेसियों को घर में घुसने मत देना। वे मोहल्ले में आएं, तो आने मत देना। बहनों का अपमान कभी बर्दाश्त

करने वाले नहीं हैं। बहनों को अपमानित करते हैं। कांग्रेस ने कभी बहनों को फूटी कौड़ी नहीं दी। कभी बहनों की चिंता नहीं की। कांग्रेसी केवल वोट मांगते हैं। झूठ बोलते हैं। सीएम ने कहा कि अब लोगों को काम के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं है। यहीं झाबुआ में रोजगार के अवसर मिलेंगे। पांच लाख तक का बीमा सरकार की तरफ से निःशुल्क होगी। इसकी शुरुआत झाबुआ जिले से होगी। अफसरों को निर्देशित किया कि किसानों को कोई परेशानी नहीं आना चाहिए। सीमा पर जवान और खेत में किसान, दोनों बराबर होते हैं। 17 सितंबर को पीएम मोदी के कार्यक्रम में आने का आमंत्रण दिया।

CM ने ये घोषणाएं भी कीं

पेटलावद में सर्वसुविधायुक्त बस स्टैंड बनाया जाएगा।

श्रृंगेश्वर तीर्थस्थल के सौंदर्याकरण 6.5 करोड़ की लागत से होगा।

एनएच 47 पर टू लेन मार्ग 86 करोड़ की लागत से बनेगा।

झाबुआ कल्याणपुरा रायपुरिया मार्ग नया बनाने की घोषणा की।

पुष्पवर्षा कर लाड़ली बहनों का स्वागत

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम स्थल जिले भर आई लाड़ली बहनों पर पुष्पवर्षा कर अभिवादन एवं स्वागत किया। सीएम को तीर कमान भेंट किया। झुलड़ी व साफा पहनाया गया। सीएम ने कार्यक्रम के आखिर में पेटलावद ब्लास्ट की 10वीं बरसी पर हादसे में मारे गए 78 लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में लाड़ली बहनें मौजूद हैं।

ग्राम चौरल में जिला कांग्रेस के नेतृत्व में विशाल धरना प्रदर्शन

महू/इंदौर। ग्राम पंचायत चौरल में स्थानीय समस्याओं को लेकर 14 सितम्बर को कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस मौके पर जोरा विधायक पंकज उपाध्याय और जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेडे के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।धरना प्रदर्शन के दौरान मुख्य रूप से स्थानीय विधायक उषा ठाकुर पर आरोप लगाए गए कि उन्होंने अपने भाजपा नेताओं की ज़मीन से अतिक्रमण नहीं हटवाया और नाली निर्माण कराने का आश्वासन भी पूरा नहीं किया। चौरल रोड पर बड़े-बड़े गड्ढों के कारण आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं को लेकर भी आक्रोश व्यक्त किया गया। अतिक्रमण हटाने पहुंचे अधिकारियों से भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं की अभद्रता और धक्का-मुक्की की घटना को लेकर भी कांग्रेस ने कड़ा विरोध जताया। इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विशाल धरना दिया और दोषियों की गिरफ्तारी एवं अतिक्रमण हटाने की मांग की। इस धरना प्रदर्शन में महू विधानसभा क्षेत्र से सैकड़ों कांग्रेसजन शामिल होकर प्रशासन को अपनी ताकत का एहसास कराया।

श्री महाकाल सेना के सक्रिय सदस्य रविन्द्र शर्मा ने किया 17बी बार रक्तदान

एक बिटिया को a पॉजिटिव ब्लड की अर्जेन्ट जरूरत थी जरूरतमंद 2 दिन से a पॉजिटिव के लिए परेशान हो रहे थे, तब उनके एक साथी दवारा रक्तदान ग्रुप संचालक कुक्कू भाई से संपर्क किया गया जिसमे कुक्कू भाई अपने साथी रविन्द्र कुमार शर्मा के साथ तत्काल मेडिकल कॉलेज पहुँचे और रविन्द्र कुमार द्वारा रक्तदान किया गया ये रविन्द्र कुमार शर्मा का 17बी बार रक्तदान था, आपको बता दे कुक्कू भाई माँ विधादेवी रक्तदान नाम से 18 बर्षों से रक्तदान ग्रुप संचालित कर रहे है जिसने स्वयं कुक्कू भाई 47बार रक्तदान करके हजारों बार अपने ग्रुप के माध्यम से रक्तदान करवा चुके है।

श्री महाकाल सेना संगठन की की है स्थापना कुक्कू भाई एवं रविन्द्र कुमार शर्मा ने शहर के जागरूक एवं सामाजिक लोगो के साथ मिलकर श्री महाकाल सेना के नाम से संगठन की साथपना की है, जिसके माध्यम से बो अनेकों प्रकार की सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियाँ निरंतर रूप से करते रहते है, जिसमे अभी गणेश उत्सव का कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय रहा और जल्द ही नवरात्रि महोत्सव पर भव्य आयोजन की रुपरेखा बना रहे है।

आबकारी बिभाग का धड़पकड़ अभियान जारी

करैरा में अवैध शराब कारोबार पर आबकारी बिभाग का चला करारा चाबुक

शिवपुरी अवैध शराब कारोबार को लेकर जिला आबकारी विभाग शिवपुरी के द्वारा 11 सितम्बर को वृत्त करैरा में बड़ी कार्यवाही की गई है जहां कलेक्टर श्री रविन्द्र चौधरी एवं उपायुक्त आबकारी संभागीय उडऩदस्ता ग्वालियर श्री संदीप शर्मा के निर्देशन में जिला आबकारी अधिकारी श्री शुभम दांगोड़े के नेतृत्व में जिले के करैरा प्रभारी उप निरीक्षक श्री नीरज त्रिवेदी के द्वारा करैरा क्षेत्रांतर्गत आने वाले क्षेत्र मामोनी खुर्द , तोड़ा पिछोर, सिरसौद गांव , काली पहाड़ी वनभूमि रेंज , काली पहाड़ी श्री ढाबा, अशोक होटल के पीछे पहाड़ी दिनारा में दबिश दी गई और मौके से 18 लीटर देशी/ विदेशी शराब एवं 1600 किग्रा गुडलहान एवं 45 किलोग्राम मछुआ लाहन को जप्त किया गया मौके पर महुआ एवं गुड लाहन का सैंपल लेकर नष्ट किया गया। दबिश कार्यवाही में आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)A एवं 34(1)F के कुल 8 आपराधिक प्रकरण दर्ज किए गए । भविष्य में आबकारी विभाग शिवपुरी द्वारा नशीले पदार्थों के विरुद्ध कार्यवाही सतत् जारी रहेंगी।

मोदीजी द्वारा समग्र स्वच्छताअभियान ग्रामीण क्षेत्र में धरातल पर नहीं दिखाई दे रहा

शासन के नियम अनुसार 3000 से अधिक जनसंख्या वाले ग्रामों में सार्वजनिक शौचालय बनाने का नियम है। जिला पंचायत द्वारा घोषित सूची वाले गांव में यह निर्माण आवश्यक है ।और यदि सूची में नाम नहीं है तो पांचवें वित्त आयोग की राशि से पंचायत स्वयं विवेक से सुलभ शौचालय बनाकर जनता को सुविधा प्रदान कर सकती है। लेकिन बागली जनपद क्षेत्र में आज भी ऐसे कई प्रमुख गांव है। जहां पर बड़े शहरों की लिंक रोड पास होती है। तथा बड़ी मात्रा में बसों का संचालन यहां होता है। प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में यात्री आना-जाना करते हैं। ऐसी अवस्था में इन प्रमुख स्थानों पर सुलभ शौचालय नहीं होने से महिला यात्रियों को शर्मिंदगी महसूस होती है। ग्राम पंचायत पुंजापुरा मुख्यालय पर जहां से चारों ओर रास्ते निकलते हैं जिसमें एक रास्ता काटा फोड़ सतवास खातेगांव होते हुए हरदा निकलता है। दूसरा रास्ता

बागली चापड़ा होते हुए इंदौर उज्जैन देवास की ओर जाता है तीसरा प्रमुख रास्ता उदय नगर होते हुए इंदौर पहुंचता है चौथा रास्ता पिपरी होते हुए काटकूट धारा जी और अन्य गांवों तक पहुंचता है। प्रत्यक्ष दर्शीयो के अनुसार यहां पर प्रतिदिन 25 से 30 बसो का संचालन सुचारू रूप से होता है। और बड़ी मात्रा में छोटे वाहन भी इस रास्ते से गुजरते हैं। लेकिन चौराहे पर कहीं भी सार्वजनिक शौचालय नहीं होने से यात्रियों के साथ-साथ स्थानीय मेहमानों को भी परेशानी आती है। सोमवार के दिन यहां पर हाट बाजार लगता है ।जिसमें 200 से अधिक दुकानें बाहर के व्यापारियों की रहती है। 12 से 14 घंटे तक लगने वाले इस बाजार में दुकानदारों को और ग्राहकों को शौचालय के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। इस संबंध में समग्र स्वच्छता अभियान प्रभारी धीरज कानूनगो से चर्चा की गई तो उन्होंने कहा समग्र स्वच्छता अभियान की सूची में यहां पर शौचालय बनाने का प्रस्ताव नहीं है ।लेकिन पांचवें वित्त आयोग की राशि से सरपंच स्वयं ठहराव प्रस्ताव जारी करते हुए उचित प्रकार का सुलभ शौचालय बनवा सकते हैं। हालांकि इसकी प्रक्रिया शुरू करवा दी गई है। पुंजापुरा वासियों ने बताया वर्ष में एक बार बड़े मेले का आयोजन भी होता है प्रति सप्ताह सोमवार को हाट बाजार भी लगता है। और शौचालय बनवाने की मांग विगत 25 वर्षों से की जा रही है। स्थान की कोई कमी नहीं है चारों ओर वन विभाग की खुली भूमि पड़ी हुई है कहीं भी पंचायत यदि चाहे तो शौचालय का निर्माण करवा सकती है।

रणजीत टाइम्स

बहुआयामी कलाकार आशुतोष राणा से

ख़ास मुलाक़ात

रणजीत टाइम्स

इंदौर। भारतीय सिनेमा और साहित्य के चर्चित नाम आशुतोष राणा जी से टाइम्स न्यूज़पेपर की ख़ास बातचीत का अवसर मिला। फिल्मों में अपने सशक्त और यादगार अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले राणा जी ने इस मुलाक़ात में अपने अभिनय सफ़र, साहित्य प्रेम और सामाजिक सरोकारों पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि "अभिनय केवल परदे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज की आत्मा का दर्पण है। कलाकार की ज़िम्मेदारी होती है कि वह समाज को नई दिशा देने वाला संदेश अपने काम से दे।"

साहित्य की ओर झुकाव के बारे में उन्होंने बताया कि लेखन और पठन उनके लिए साधना की तरह है। "कला के हर रूप में साधना की ज़रूरत होती है, चाहे वह अभिनय हो या लेखन।" समाज और युवाओं को संदेश देते हुए आशुतोष राणा जी ने कहा कि "युवाओं को अपनी जड़ों से जुड़े रहकर आधुनिकता को अपनाना चाहिए। सफलता वही है जो दूसरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए।"

इस विशेष मुलाक़ात में उन्होंने अपने आगामी साहित्यिक कार्यों और नई फ़िल्म परियोजनाओं की भी झलक दी।

मां करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर धर्मेंद्र जी गौतम जी नियुक्त हुए एवं हजारों की संख्या में कार्यकताओं ने दी शुभकामनाएं

आदित्य शर्मा- 8224951278

वही रणजीत टाइम्स की और से राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह जी गौतम को विशेष शुभकामनाएं दी गई

मां करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर धर्मेंद्र सिंह जी गौतम नियुक्त हुए मां करणी सेना के हजारों कार्यकर्ताओं द्वारा आनंद मिलन गार्डन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र जी गौतम को शुभकामनाएं दी वही राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह जी गौतम द्वारा बताया गया मेरी जो नियुक्ति हुई हे चयन प्रकिया द्वारा हुई हे न कि स्वयं द्वारा हमारी सभी नियुक्तियां

चयन प्रकिया द्वारा ही की जाती हे वही राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा बताया कि यह संपूर्ण आयोजन जिला अध्यक्ष बाला जी ठाकुर के द्वारा किया गया हे वही राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा बताया गया हमारे द्वारा रैली निकाली गई एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसके माध्यम से हम सभी मा करणी सेना के सदस्य ईश्वर का धन्यवाद दे सके।

कादरी ने लव जिहाद में फंडिंग करने की बात को कबूल किया

पुलिस गिरफ्त में आए पार्षद से पूछताछ में कई खुलासे

इंदौर। लगातार बाणगंगा पुलिस की रिमांड पर चल रहे कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी ने अंतः लव फंडिंग करना कबूल कर लिया। उसे आज 12 सितम्बर को रिमांड खत्म होने के बाद कोर्ट में पेश किया गया। ढाई माह बाद पुलिस गिरफ्त में आए पार्षद से पूछताछ में कई खुलासे हो रहे है। उसने बताया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उसके खिलाफ बयान दिया था। उसके बाद से एनकाउंटर और घर पर बुलड़ोजर चलने का डर सताने लगा था। इस कारण उसने आत्मसमर्पण कर दिया। अनवर ने बताया कि उसने दोनों युवकों को लव जिहाद के लिए पैसा दिया था। उधर, अनवर कादरी की बेटी आयशा ने भी उसकी फरारी काटने में मदद की। उसके ट्रेन बस के टिकट किए और होटलों का बिल भी चुकाया। इस कारण पुलिस ने उसे भी आरोपी बनाया है। केस दर्ज होने के बाद अनवर ने नेपाल में फरारी काटी। वह व्यापारी बनकर अलग-अलग होटलों में रहता था। उसने नेपाल से वहां की सिम ले ली थी और उससे इंटनेट कॉल कर

इंदौर में उसके खिलाफ चल रहे केस की जानकारी लेता था।

कोर्ट में पेश होने के पहले सिम तोड़कर फेंक दी थी। उल्लेखनीय है कि कादरी के खिलाफ उज्जैन के महाकाल थाने में धारा 392 का प्रकरण पंजीबद्ध है। इसके अलावा संयोगितागंज थाने में 7, सदर बाजार में 4, खजराना में 3, बाणगंगा में 2, चंदन नगर थाने में 2, जूनी इंदौर, सराफा, छोटी ग्वालटोली और एमजी रोड थाने में विभिन्न धाराओं में 1-1 प्रकरण पंजीबद्ध है। रिमांड अवधि के दौरान सदर बाजार थाने में बंदूक का लायसेंस फर्जी दस्तावेज से हासिल करने तथा खजराना में प्लाट की धोखाधड़ी का केस दर्ज हुआ है। इन दोनों थानों की पुलिस भी आरोपी कादरी को गिरफ्तार कर पूछताछ करेगी।

राजा रघुवंशी का भाई कोर्ट में दायर चार्जशीट की प्रति लेने शिलांग पहुंचा

- वकील के माध्यम से जानकारी लेने के लिए आवेदन लगाया

इंदौर। बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड केस में शिलांग पुलिस ने पिछले सप्ताह कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दी है। इस चार्जशीट की छायाप्रति लेने मृतक राजा का भाई विपिन शिलांग पहुंचा है। उसने अपने वकील के माध्यम से आवेदन लगाया है। विपिन का कहना है कि हमें इस केस की हर तरह की जानकारी मिले, इसलिए चार्जशीट पढ़ना चाहते है।

इस मामले में मृतक राजा की पत्नी सोनम, उसका कथित प्रेमी राज कुशवाह, आकाश सिंह राजपूत, विशाल और आनंद कुर्मी जेल में हैं चार्जशीट पेश होने के दूसरे दिन ही आरोपियों की ओर से जमानत याचिका दायर की गई थी, कोर्ट से जमानत नहीं हो पाई। जबकि, आरोपियों की मदद करने वाले और सबूत मिटाने वाले प्रॉपर्टी ब्रोकर शिलोम जेम्स, बिल्डर लोकेन्द्र सिंह तोमर और सुरक्षाकर्मी बल्लू उर्फ बलवीर को जमानत मिल चुकी है।

हम जांच से पूरी तरह संतुष्ट- शिलांग पहुंचे विपिन ने कहा कि वे शिलांग पुलिस की जांच से पूरी तरह संतुष्ट है, लेकिन हम जानना चाहते हैं कि आरोपियों पर कौन सी धारा लगाई गई है और किस पर चार्जशीट में क्या आरोप तय किए गए हैं। इस केस से चार वकील जुड़े हैं। तीन वकीलों के अलावा एक वकील राजा रघुवंशी के परिवार ने हायर किया है। पहले दूसरा वकील इस केस से जुड़ा था, लेकिन तीनों आरोपियों की जमानत होने के बाद वकील बदल दिया गया।

सभी का हित, मनोनयन पद्धति में ही है

ललित भाटी

विगत वर्षों के प्रत्यक्ष प्रणाली से संपन्न होने वाले छात्र संघ चुनाव, क्या हमें इस बात का निकृष्टतम परिचय देने के लिए पर्याप्त नहीं है कि, छात्र संघ चुनावों में , मनोनयन की पद्धति ही सर्वश्रेष्ठ है। प्रत्यक्ष प्रणाली के छात्र संघ चुनावों में, जहां अंगुली पर गिने जाने वाले छात्र नेताओं तथा उनके ही माध्यम से, अपनी/ अपनी राजनीति को संचालित करने वाले शौकीन राजनेताओं की राजनीति चलती है। इसमें हिंसा/ द्वेष/ घृणा/ बैर/ विरोध/ रंजिश/ शत्रुता/ दुश्मनी/ मनमुटाव/ आदि को भी भरपूर स्थान मिलता रहता है। नाना प्रकार की समाज विरोधी गतिविधियां पनपती हैं। सामाजिक वातावरण प्रदूषित होता है। कॉलेज शिक्षा प्रदान करने का केंद्र न होकर, केवल और केवल राजनीति करने का खुला मैदान बनकर रह जाते हैं। शिक्षा संस्थानों की प्रतिष्ठा तक धूमिल होती है।

प्रत्यक्ष प्रणाली से चुने हुए छात्र नेतागण, अपने कॉलेज में सिर्फ छात्र राजनीति ही नहीं करते हैं, बल्कि वे जिस बड़े राजनेता से जुड़े रहते हैं, उनकी स्थानीय राजनीति को चमकाने में भी सहायक बनते हैं। इसके प्रतिफल में उनको प्राप्त होता है, प्रभावशाली राजनेताओं से , अपने पक्ष में सभी प्रकार का राजनीतिक सुरक्षा कवच। और यह संरक्षण, उनको अपने/ अपने महाविद्यालयों में, वह सब अशालीन/ अनीतिगत करने की खुली छूट भी भेंट कर देता है, जिसका कि छात्र हित से जरा भी नाता नहीं रहता है। बस इस कार्य में इच्छापूर्ति होती है, थोड़े बहुत छात्र नेताओं के साथ ही उनके कुछ प्रभावी राजनीतिक गुरुओं की।

और फिर इस एक अप्रिय सच से भी असहमत कैसे हुआ जा सकता है कि, ये छात्र संघ के प्रत्यक्ष प्रणाली से होने वाले चुनाव, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में तो, बिल्कुल एक विधानसभा चुनाव की ही तर्ज.पर लड़े जाते हैं। इसमें कॉलेज परिसर से लेकर, उसके समीप के रहवासियों के घरों तक को भी, अधिकांशतः लिख/ पोतकर भद्दा कर दिया जाता है। चुनाव परिणाम आ जाने के बाद संबंधित महाविद्यालय , शिक्षा का एक पावन मंदिर नहीं रहते हुए, राजनीति को संचालित करने का केंद्र बनकर रह जाते हैं। आदरणीय गुरुजनों का भी अपेक्षित आदर नहीं किया जाता है। चुने गए छात्रों की मनमानी चरम सीमा पर होती है।

पिछले एक दशक की छात्र राजनीति का हिसाब/ किताब बोलता है कि, हमारे दो प्रमुख और महत्त्वपूर्ण राजनीतिक दल, कांग्रेस/ भाजपा से प्रश्रय प्राप्त छात्र समूहों ने, कितनी ही बार, अपने उसी महाविद्यालय में, जहां से कि, वे शिक्षा संस्कार प्राप्त कर रहे हैं, अपनी असामाजिक हरकतों को जमकर दशार्या है, और सजा के नाम पर , उनका एक भी बाल तक बांका नहीं हुआ है। एक तो वैसे ही महाविद्यालयों में छात्र राजनीति के कारण, परिस्थितियां सामान्य नहीं रहती हैं, और फि र उसके बाद यदि अब भी प्रत्यक्ष प्रणाली से छात्र संघ चुनाव कराने की मांग की जाती है, तो यदि वह मंजूर कर ली गई, तो हमारे तमाम महाविद्यालयों के अंदरूनी हालात कितने अराजक हो जाएंगे, इसकी कल्पना भी सहजता से की जा सकती है।

हमारे राजनीति से प्रेरित ज्यादातर छात्र संगठन, आगे रहकर यह कहने/ स्वीकारने में कभी भी अग्रणी नहीं रहते हैं कि, यदि प्रत्यक्ष प्रणाली से छात्र संघ चुनाव कराए जाते हैं, तो हम लोग जीतने के बाद, अपने महाविद्यालय को राजनीतिक अखाड़ा नहीं, बल्कि शिक्षा प्राप्ति का एक पवित्र मंदिर ही बनाने का प्रयास करेंगे। रैगिंग के खिलाफ वातावरण बनाकर, उसे अपनी समूची ताकत से समाप्त करने की कोशिश करेंगे। शिक्षा को लेकर इतना उज्जवल आदर्श स्थापित करेंगे, कि हमारा महाविद्यालय एक संस्कार से धनवान , शिक्षा देने का स्थान ही कहलाए।

इसी क्रम में , कहने में तो यह भी आता है कि, प्रत्यक्ष प्रणाली से संपन्न होने वाले छात्र संघ चुनाव, सबसे पहले न तो हमारी शालीन शिक्षा व्यवस्था के। न ही समाज के लिए। न ही हमारे महाविद्यालयों में, शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के लिए। न ही हमारी राजनीतिक शुचिता के लिए। न ही जहां वे पूर्णता पाते हैं, उस स्थान विशेष के लिए हितकारी हैं, अपितु एक उच्चतम सीमा तक जाकर अहितकारी ही हैं। कुल मिलाकर एक अप्रिय सच यही कहता है कि, इनका प्रत्यक्ष प्रणाली से नहीं होना ही, हमारे महाविद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था का भरपूर सम्मान होगा।

भारतीय आईटी सेक्टर पर खतरा, आउटसोर्सिंग पर 25 % अमेरिकी टैक्स से बढ़ी मुश्किलें

एजेंसी

लंबे समय से अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे भारतीय आईटी क्षेत्र के लिए अमेरिका का 25 फीसदी का प्रस्तावित आउटसोर्सिंग टैक्स बड़ा खतरा बन सकता है। यह वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) की अर्थव्यवस्था को भी चौपट कर सकता है।

अगर यह प्रस्ताव लागू हुआ तो अमेरिकी कंपनियों को अपनी वैश्विक आउटसोर्सिंग रणनीतियों का सावधानी पूर्वक फिर से आकलन करना होगा, क्योंकि उत्पाद शुल्क, राज्य और स्थानीय करों के संयुक्त प्रभाव से विदेशी श्रम एवं सेवाओं को शामिल करने की लागत में बड़ी वृद्धि हो सकती है। कर एवं उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है, इस प्रस्ताव से आउटसोर्स करने वाली अमेरिकी कंपनियों पर कर का बोझ करीब 60 फीसदी तक बढ़ सकता है। इससे दुनिया के सबसे बड़े आउटसोर्सिंग बाजार में दिग्गज कंपनियां आईटी सेवाओं को खरीदने के तरीकों में बदलाव ला सकती है। इसका असर 283 अरब डॉलर के भारतीय आईटी क्षेत्र पर पड़ सकता है। भारतीय आईटी कंपनियां तीन दशक से भी ज्यादा समय से बड़ी अमेरिकी इकाइयों को सॉफ्टवेयर सेवाओं का निर्यात कर रही हैं। ***हायर अधिनियम लाने का मकसद-*** अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटर बर्नी मोरेनो ने पिछले सप्ताह हल्टिंग इंटरनेशनल रीलोकेशन ऑफ इम्पलॉयमेंट (हायर) अधिनियम पेश किया। इसमें विदेशी कर्मचारियों को नौकरी देने वाली कंपनियों पर 25 फीसदी कर लगाने का प्रस्ताव है, जिसका इस्तेमाल अमेरिकी श्रमबल के विकास में होगा। प्रस्ताव कंपनियों को आउटसोर्सिंग भुगतानों को कर कटौती योग्य खर्च के रूप में दावा करने से रोकता है। ***अमेरिकी कंपनियों के लिए भी दोहरा संकट-*** ईवाई इंडिया के जिग्नेश ठक्कर ने कहा, प्रस्ताव के तहत विदेश से प्राप्त आईटी सेवाओं के लिए 100 डॉलर का भुगतान करने वाली एक अमेरिकी कंपनी को इस लेनदेन पर 25 फीसदी उत्पाद शुल्क देना होगा। यह भुगतान और उससे जुड़ा उत्पाद शुल्क, दोनों ही कॉरपोरेट कर उद्देश्यों के लिए कटौती योग्य नहीं होंगे।

भारत के लिए क्यों हैं चिंता की बात

हायर अधिनियम ऐसे समय में लाने का प्रस्ताव रखा गया है, जब भारतीय आईटी क्षेत्र अपने मुख्य बाजार अमेरिका में कमजोर राजस्व वृद्धि से जूझ रहा है। यह इसलिए, क्योंकि उपभोक्ता महंगाई और टैरिफ अनिश्चितता के बीच गैर-जरूरी तकनीकी खर्च टाल रहे हैं। भारतीय आईटी कंपनियां एपल, अमेरिकी एक्सप्रेस, सिस्को, होम डिपो, सिटीग्रुप और फेडेक्स को अपनी सेवाएं निर्यात

नेपाल में 12,500 से ज्यादा कैदी फरार, पुलिस के हाथ खाली

एजेंसी

नेपाल में हाल ही में हुए जेन-जी विरोध प्रदर्शनों के दौरान देशभर में जमकर हिंसा हुई। इस हिंसा के चलते नेपाल की सरकार गिर गई और अब जल्द ही अंतरिम सरकार बन सकती है। विरोध प्रदर्शनों के दौरान तोड़फोड़ और आगजनी भी हुई। देश में मची इस उथलपुथल का फायदा उठाकर करीब 14,000 से 15,000 कैदी नेपाल में अलग-अलग जेलों से भाग निकले। इससे नेपाल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इस मामले में अब पुलिस की तरफ से अपडेट दिया गया है। ***12,500 से ज्यादा कैदी अभी भी जेल से फरार-*** जेल से भागे हुए कैदियों को पुलिस पकड़ने की कोशिश कर रही है और काफी कैदियों को पकड़ने में पुलिस को कामयाबी भी मिली है। हालांकि अभी भी 12,500 से ज्यादा कैदी जेल से फरार हैं, जो देश की कानून-व्यवस्था के लिए बड़ा खतरा पैदा कर रहे हैं। ***प्रमुख जेलों से भागे कैदी-*** प्रदर्शनकारियों ने कई जेलों में घुसकर कैदियों को आजाद कराया, जबकि कुछ जगहों पर कैदियों ने ही विद्रोह कर दिया और जेल से भाग निकले। इनमें काठमांडू की दिल्लीबाजार जेल, ललितपुर की नखु जेल, दक्षिण-पूर्वी नेपाल की राजबिराज जेल, काठमांडू के पूर्व में रामेछाप जेल, बागमती प्रदेश की सिंधुली जेल, दक्षिणी नेपाल की नवलपरासी पश्चिम जेल, पश्चिमी नेपाल की जुमला जेल, पश्चिमी नेपाल के बैंके का नौबस्ता सुधार गृह शामिल हैं।

नवरात्रि से पहले दहशत फैलाने की साजिश नाकाम, भारत-पाक बॉर्डर पर हथियार बरामद

एजेंसी

नवरात्रि का त्योहार 22 सितंबर सोमवार से शुरू होने जा रहा है। नौ दिनों तक चलने वाले इस पर्व को देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। नवरात्रि के त्योहार के रंग में भंग डालने के लिए आतंकवादी नाकाम साजिश रच रहे है। भारतीय जवान हर बार की तरह इस बार भी इस त्योहार से पहले आतंकियों की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। खुफिया जानकारी पर आधारित समन्वय और संचालन कुशलता का अद्भुत उदाहरण पेश करते हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पंजाब पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाया और 16 पिस्तौलों सहित हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया और दो तस्करों को गिरफ्तार किया। सीमा सुरक्षा बल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ***दो तस्कर भी गिरफ्तार.*** पुलिस के अनुसार, यह बरामदगी हाल के दिनों में पिस्तौलों की सबसे बड़ी बरामदगी के कुछ ही घंटों बाद हुई है। इस मामले में दो तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 27 पिस्तौलों और गोला-बारूद सहित हथियारों का एक बड़ा जखीरा जब्त किया गया था। दोनों बरामदगी फाजिल्का सेक्टर से की गई है। 16 पिस्तौल, 38 मैगजीन, 1,847 कारतूस और एक मोटरसाइकिल जब्त- यह ताजा बरामदगी बीएसएफ की खुफिया शाखा ने फाजिल्का की अपराध जांच एजेंसी (सीआईए) के साथ मिलकर थेह कलंदर गांव में की। रणनीतिक रूप से चलाए गए इस अभियान के दौरान 16 पिस्तौल, 38 मैगजीन, 1,847 कारतूस और एक मोटरसाइकिल जब्त की गई, साथ ही दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया। इससे पहले, महार खिवा मानसा गाँव के पास बीएसएफ और पुलिस ने एक संयुक्त रणनीतिक घात लगाया था।

पाकिस्तानी की बड़ी नार्को-आतंकवादी साजिश को नाकाम

इस घटना के बारे में जानकारी देते हुए बीएसएफ ने बताया कि यह अभियान बीएसएफ की खुफिया शाखा को मिली एक खुफिया सूचना के बाद शुरू किया गया था, जिसमें फाजिल्का के सीमावर्ती इलाके में तस्करी की आशंका जताई गई थी। इस महत्वपूर्ण अभियान ने पाकिस्तान की बड़ी नार्को-आतंकवादी साजिश को नाकाम कर दिया और इस तरह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक संभावित खतरे को प्रभावी ढंग से ध्वस्त कर दिया।

स्पाइसजेट द400 विमान का पहिया गिरा हड़कंप के बीच यात्रियों की जान बची

एजेंसी

मुंबई. मुंबई एयरपोर्ट पर शुक्रवार (12 सितंबर 2025) को उस समय हड़कंप मच गया, जब स्पाइसजेट एयरलाइन के बॉम्बार्डियर द400 विमान का एक पहिया उड़ान भरते ही गिर गया। यह विमान गुजरात के कांडला एयरपोर्ट से 75 यात्रियों और क्रू के साथ मुंबई के लिए रवाना हुआ था। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (अअक) के अधिकारियों के मुताबिक, कांडला अळउ ने उड़ान भरते समय रनवे पर कुछ गिरते देखा और बाद में जांच में पाया गया कि विमान का बाहरी पहिया और धातु के हिस्से नीचे गिर गए थे। इसकी जानकारी तुरंत पायलट को दी गई और मुंबई एयरपोर्ट पर फुल इमरजेंसी घोषित कर दी गई।

स्पाइसजेट का बयान

एयरलाइन प्रवक्ता ने कहा, कांडला से मुंबई जा रहे द400 विमान का एक बाहरी पहिया उड़ान भरने के बाद रनवे पर पाया गया। विमान ने सुरक्षित रूप से मुंबई में लैंडिंग की, किसी भी यात्री को चोट नहीं आई। इस घटना से एक बार फिर भारतीय विमानन सुरक्षा पर सवाल उठे हैं, हालांकि राहत की बात रही कि सभी 75

सरकार 22.5 अरब डॉलर का पैकेज लाने की तैयारी में

सरकार ने 50 फीसदी अमेरिका टैरिफ से प्रभावित निर्यातकों की मदद के लिए एक व्यापक राहत पैकेज लाने की योजना बनाई है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह राहत पैकेज 22.5 अरब रुपये (25.5 करोड़ डॉलर) का हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय इस पैकेज के तहत प्रभावित निर्यातकों को बिना किसी गारंटी के रियायती ब्याज दरों पर कर्ज दिया जा सकता है। हालांकि, सरकार ने अभी इस संभावित पैकेज के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि राहत पैकेज की इस योजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल इस सप्ताह या आने वाले दिनों में मंजूरी दे सकता है।

एम्स को मिला भ्रूण का दान, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में एक नई मिसाल होगी कायम

एजेंसी

नई दिल्ली. एम्स ने हाल ही में एक ऐसा मेडिकल और सामाजिक कदम उठाया है, जिसने भारतीय चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम की है। 32 वर्षीय वंदना जैन ने पांचवें महीने में गर्भपात हुआ। दुःख के उस पल में, वंदना और उनके पति की एक बहादुरी से भरी पहल की। दंपति ने भ्रूण को शोध और शिक्षा के लिए एम्स को दान किया। कहा जा रहा है कि ये भारत में पहली बार है जहां भ्रूण दान को औपचारिक रूप से स्वीकार किया है। दधीचि देहदान समिति और एम्स की एनाटॉमी विभाग की टीम ने मिलकर प्रक्रिया को संभव बनाया। नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (एनओटीटीओ) के डायरेक्टर डॉ अनिल कुमार कहते हैं कि ये डोनेशन एकेडमिक और रिसर्च में बहुत मददगार होगा। इसके द्वारा इंसान के भीतर डेवलेपमेंटल और रेयर डिजीज के इलाज की संभावनाएं खोजी जा सकती हैं। बता दें कि भ्रूण के अंग-तंत्र जैसे मस्तिष्क, लिवर, बोन मैरो और रक्त जैसी टिश्यूज रिसर्च बेस्ड प्रोजेक्ट्स में काम आती हैं।

पीएम दिल्ली में आयोजित ज्ञान भारतम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में लेंगे भाग

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 12 सितंबर, 2025 को सायं लगभग 4:30 बजे नई दिल्ली के विज्ञान भवन में ज्ञान भारतम्-पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेंगे। वे ज्ञान भारतम् पोर्टल का भी शुभारंभ करेंगे, जो पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण, संरक्षण और सार्वजनिक पहुंच में तेजी लाने के लिए एक समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म है। इस अवसर पर वह उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे। यह सम्मेलन 11 से 13 सितंबर तक पांडुलिपि विरासत के माध्यम से भारत के ज्ञान धरोहर की पुनःप्राप्ति विषय-वस्तु पर आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन भारत की अद्वितीय पाण्डुलिपि संपदा को पुनर्जीवित करने और इसे वैश्विक ज्ञान संवाद के केंद्र में रखने के उपायों पर विचार-विमर्श करने के लिए अग्रणी विद्वानों, संरक्षणवादियों, प्रौद्योगिकीविदों और नीति विशेषज्ञों को एक साथ लाएगा। इसमें दुर्लभ पांडुलिपियों की एक प्रदर्शनी और पांडुलिपि संरक्षण, डिजिटलीकरण प्रौद्योगिकियों, मेटाडेटा मानक, कानूनी संरचनाओं, सांस्कृतिक कूटनीति और प्राचीन लिपियों के अर्थ-निर्धारण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विद्वानों की प्रस्तुतियां भी शामिल होंगी।

पटाखों पर बैनः मुख्य न्यायाधीश का बड़ा बयान, दिवाली की रौनक पर उठे सवाल

पूरे देश को साफ हवा का अधिकार

CJI गवई की अगुवाई वाली बेंच ने फायरक्रेकर मैन्युफैक्चरर्स की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा, ₹हम दिल्ली के लिए अलग नीति नहीं बना सकते क्योंकि वहां एलीट नागरिक रहते हैं। अगर एनसीआर के शहरों को साफ हवा का हक है, तो दूसरे शहरों के लोगों को क्यों नहीं?₹ उन्होंने अमृतसर का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां सर्दियों में प्रदूषण दिल्ली से भी ज्यादा खराब होता है। बेंच ने आगे कहा, ₹नीति पैन-इंडिया होनी चाहिए।

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी आर गवई ने शुक्रवार को पटाखों पर दिल्ली-एनसीआर तक सीमित प्रतिबंध के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि अगर पटाखों पर बैन लगाना है, तो यह पूरे देश में लागू होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रदूषण मुक्त हवा का अधिकार सिर्फ दिल्ली के 'एलीट' नागरिकों तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि पूरे भारत के हर व्यक्ति को मिलना चाहिए। यह टिप्पणी दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री और निर्माण पर एक साल के बैन के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई के दौरान आई। यह बयान तब आया जब पटाखा व्यापारियों ने दिल्ली-एनसीआर में दिसंबर 2024 से लागू बैन को चुनौती दी। व्यापारियों का तर्क था कि इससे हजारों परिवारों की आजीविका प्रभावित हो रही है। हालांकि, उखकने स्पष्ट किया कि बैन से गरीब मजदूर सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं, लेकिन प्रदूषण की समस्या राष्ट्रीय स्तर पर हल करनी होगी। कोर्ट ने एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमीशन से इस पर जवाब मांगा है। अगली तारीख पर हो सकता है फैसला?- यह मामला दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण से जुड़ा है, जहां सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी पटाखों पर सख्ती बरतने के आदेश दिए हैं।

वकील की बात पर CJI की सहमति

वकील अपराजिता सिंह, जो एमिकस क्यूरी के तौर पर पेश हुईं, ने कहा कि प्रदूषण के समय एलीट लोग शहर छोड़ देते हैं, लेकिन आम जनता को नुकसान सहना पड़ता है। उखकने सहमति जताते हुए कहा कि नीतियां सिर्फ राजधानी तक सीमित नहीं हो सकतीं।

नौसेना गुरुग्राम में INS अरावली के साथ अपनी समुद्री क्षेत्र जागरूकता क्षमता को करेगी मजबूत

नई दिल्ली. भारतीय नौसेना 12 सितंबर 2025 को नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी की उपस्थिति में गुरुग्राम में आईएनएस अरावली को कमीशन करेगी। आईएनएस अरावली, जिसका नाम अविचल अरावली पर्वतमाला से लिया गया है, भारतीय नौसेना के विभिन्न सूचना और संचार केंद्रों को सहायता प्रदान करेगा, जो भारत और भारतीय नौसेना के कमांड, नियंत्रण और समुद्री डोमेन जागरूकता (एमडीए) ढांचे के लिए महत्वपूर्ण हैं। सामुद्रिकसुरक्षायाः सहयोगं या सहयोग के माध्यम से समुद्री सुरक्षा के आदर्श वाक्य से प्रेरित होकर, नौसेना बेस सहायक और सहयोगी लोकाचार का उदाहरण प्रस्तुत करता है, जो नौसेना इकाइयों, एमडीए केंद्रों और संबद्ध हितधारकों के साथ सहजता से काम करता है। बेस के शिखर पर केंद्रीय पर्वतीय छवि है जो अटूट और मजबूत अरावली पर्वतमाला का प्रतीक है और उगता हुआ सूर्य शाश्वत सतर्कता, सशक्तता और ऊर्जा का प्रतीक है, साथ ही संचार और समुद्री विकास के क्षेत्र में विशिष्ट तकनीकी क्षमताओं के उदय का भी प्रतीक है।

IPL चेयरमैन ने कहा हमें खेलना ही होगा, पंजाब किंग्स ने पोस्ट से पाकिस्तानी झंडा हटाया

भारत-पाकिस्तान मैच पर देश में अलग-अलग राय

एजेंसी ● दुबई

एशिया कप में 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान के बीच मैच होने वाला है। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होने वाले इस मुकाबले को लेकर भारत में अलग-अलग राय सामने आ रही है।

पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच यह पहला मुकाबला है। कई पूर्व क्रिकेटर, राजनैतिक दल और फैंस इसका विरोध कर रहे हैं।

एशिया कप

वहीं, BCCI के कुछ अधिकारी और फैंस का एक वर्ग इस मैच के पक्ष में है।

मुकाबले से 2 दिन पहले शुक्रवार को IPL चेयरमैन अरुण धूमल ने कहा है- 'सरकार ने पाकिस्तान के साथ खेल संबंधों को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। ACC और ICC टूर्नामेंटों में हमें पाकिस्तान से खेलना ही होगा।

इधर, शिवसेना विधायक आदित्य ठाकरे ने कहा- जिस पाकिस्तान ने हम पर मसाइलें दागी। हमारे देश में आतंक फैला रहा है। पहलगाम पर निर्दोष लोगों को मारा। BCCI उस पाकिस्तान के खिलाफ खेलने को लेकर उत्साहित क्यो है?

एक दिन पहले पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कहा था- भारत और पाकिस्तान के आपसी संबंध बेहतर होने तक आपस में क्रिकेट या व्यापार नहीं होना चाहिए। इससे पहले हरभजन की टीम इंडिया चैंपियंस ने जुलाई में इंग्लैंड में हुई वर्ल्ड लीजैंड्स चैंपियनशिप में पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल नहीं खेला था।

भारत-पाकिस्तान में 3 मैच संभव

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच 3 मुकाबले हो सकते है। पहला मैच 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा।

दूसरा मैच : एशिया कप में लीग स्टेज के बाद सुपर-4 राउंड होगा। भारत-पाकिस्तान के सुपर-4 राउंड में पहुंचने पर 21 सितंबर को भारत-पाकिस्तान की दूसरी भिड़ंत हो सकती है।

तीसरा मैच : अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं, तो 28 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप में तीसरा मुकाबला खेला जाएगा।

पंजाब किंग्स की पोस्ट से पाकिस्तान का झंडा गायब

एक दिन पहले पंजाब किंग्स ने भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर सोशल पोस्ट की थी। इस पोस्ट में मैच की डेट, वेन्यू और टाइम सब दिए गए हैं, लेकिन पाकिस्तान का झंडा गायब है। झंडे की जगह खाली छोड़ी गई है। इस पर फैंस अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक दिन पहले सुप्रीम कोर्ट में भारत-पाकिस्तान मैच पर रोक लगाने की मांग की गई थी, हालांकि न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने इस मामले की सुनवाई करने से इनकार कर दिया और कहा कि यह सिर्फ एक मैच है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद क्रिकेट एशिया कप में भारत के पाकिस्तान से खेलने का विरोध हो रहा है। यहां तक कि पाकिस्तान बिहार के राजगीर में भारत की मेजबानी में हो रहे हॉकी एशिया कप से हट गया है।

दलीप ट्रॉफी फाइनल, यश-रजत के शतक

एजेंसी ● नई दिल्ली

दलीप ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला सेंट्रल जोन और साउथ जोन के बीच बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड पर खेला जा रहा है। आज यानी शुक्रवार को मुकाबले का दूसरा दिन है। सेंट्रल जोन ने आज अपनी पहली पारी को 50/0 के स्कोर से आगे बढ़ाया।

क्रिकेट

खबर लिखे जाने तक टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर 357 रन बना लिए हैं। यश राठौड़ शतक लगाकर नाबाद हैं। कप्तान रजत पाटीदार शतक (101 रन), लगाकर आउट हुए। उनके अलावा, दानिश मालेवार 53, ओपनर अक्षय वाडकर 22, शुभम शर्मा 6 और उपेंद्र यादव 5 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले, गुरुवार को साउथ जोन पहली पारी में 149 रन पर ऑलआउट

हो गई। सेंट्रल जोन ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी थी। सारांश जैन को 5 विकेट साउथ जोन पहली पारी में 149 रन पर ही सिमट गई। टीम के लिए कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। टीम के लिए तन्मय अग्रवाल ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए। उनके अलावा सलमान निजार 24, अंकित शर्मा 20, रिकी भुई 15 और एमडी निधेश 12 रन बनाए। सेंट्रल जोन की ओर से सारांश जैन ने 5 और कुमार कार्तिकेय ने 4 विकेट झटके। दोनों सेमीफाइनल ड्रॉ रहे थे साउथ जोन का सेमीफाइनल मैच नॉर्थ जोन के खिलाफ ड्रॉ रहा था।

दलीप ट्रॉफी की बादशाहत वेस्ट जोन के पास

मुंबई शुरुआत से भारतीय क्रिकेट का सेंटर रहा है। मुंबई वेस्ट जोन में आता है, लिहाजा दलीप ट्रॉफी में वेस्ट की टीम को इसका काफी फायदा भी हुआ। सबसे ज्यादा 19 बार वेस्ट जोन ने ही खिताब जीता है। टीम ने शुरुआती चारों सीजन अपने नाम किए थे। नॉर्थ जोन 18 बार इस ट्रॉफी को जीत चुकी है। 27वीं बार आमने-सामने हैं दोनों टीमें साउथ जोन और सेंट्रल जोन 27वीं बार आमने-सामने हैं। इससे पहले, दोनों टीमों के बीच 26 मुकाबले खेले जा चुके हैं।

प्रेमानंदजी से साइना नेहवाल ने पूछा- बहुत स्ट्रेस होता है

कल क्या होगा, मां-बहन के साथ वृंदावन दर्शन करने पहुंचीं

एजेंसी ● मथुरा

ओलंपिक मेडलिस्ट शटलर साइना नेहवाल वृंदावन दौरे पर हैं। गुरुवार को वह मां उषा और बहन चंद्रांशु के साथ संत प्रेमानंद के दर्शन करने उनके आश्रम पहुंचीं। साइना ने प्रेमानंद महाराज से पूछा-मुझे मंदिर जाना बहुत पसंद है। मैं काफी मंत्र भी जपती हूं। लेकिन जब मुझे लोग इवेंट्स में बुलाते हैं, तो इवेंट्स में जाने का सोचकर मैं थोड़ा स्ट्रेस में आ जाती हूं। बार-बार दिमाग में आता है कि कल क्या होगाकल के इवेंट्स का क्या होगा। बहुत स्ट्रेस होता है। इस पर प्रेमानंद महाराज ने कहा- अज्ञान की वृद्धि जब तक नष्ट नहीं होगी। तब तक वह चिंता सताती रहती है। वर्तमान का समय हम भगवान के नाम में लगा दें, तो हमारा भूत और भविष्य दोनों ठीक हो जाएगा। हम व्यर्थ में चिंतन करते हैं। कभी भूत का चिंतन हो जाता है तो कभी भविष्य का। दिमाग ही है। कभी बीते हुए कल की तो कभी आने वाले कल की काल्पनिक चिंता होने लगती थी। कभी मन में ऐसा आए कि मैं डर जाऊं, मैं शोक में हो जाऊंतो ये जो चिंतन है, इसी से बचने के लिए नाम जप जरूरी है। प्रेमानंद महाराज ने कहा- जब हमारी बुद्धि मलिन हो जाती है, तो निगेटिव चीजें ज्यादा दिमाग में आती हैं। जब बुद्धि ज्यादा निगेटिव हो जाती है तब वही डिप्रेशन में पहुंच जाता है।

जींद की प्राची सैनी ने तलवारबाजी में जीते 2 मेडल

एजेंसी ● जींद

जींद की प्राची सैनी ने उत्तराखंड में हो रही नेशनल तलवारबाजी (फेंसिंग) प्रतियोगिता में दो मेडल जीतकर हरियाणा का मान बढ़ाया है। प्राची ने टीम इवेंट में गोल्ड और एकल इवेंट में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। उत्तराखंड के हल्द्वानी में 8 सितंबर से 14 सितंबर तक इंदिरा गांधी स्टेडियम में नेशनल कैडेट (अंडर-17) आयु वर्ग की नेशनल फेंसिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है।

इसमें शुक्रवार को हुए मुकाबलों में हरियाणा की टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए फॉयल इवेंट के एकल वर्ग में महाराष्ट्र की खिलाड़ी को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया, लेकिन फाइनल मुकाबला नहीं जीत पाई, इसलिए सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा। इसके बाद टीम इवेंट में खेलते हुए प्राची सैनी ने चंडीगढ़ की टीम को हराते हुए गोल्ड मेडल जीता। प्राची के पिता प्रवीण सैनी ने बताया कि वह अब तक 40 से 45 मेडल अपने नाम कर चुकी है। प्राची पांच बार इंटरनेशनल लेवल पर एशियाई चैंपियनशिप और विश्व चैंपियनशिप में पांच बार देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी है। प्राची अपने आयु वर्ग के अलावा अपने से उच्च आयु वर्ग में भी खेलकर मेडल जीत चुकी है।

हॉन्गकॉन्ग ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट : मलेशियाई जोड़ी को तीन गेम में हराया

सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी ● हॉन्गकॉन्ग

हॉन्गकॉन्ग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में मेन्स डबल्स में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी सेमीफाइनल में जगह बना ली है,वहीं लक्ष्य सेन क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं।

भारतीय जोड़ी ने मलेशिया की जोड़ी जुनैदी अरिफ और रॉय किंग याप को रोमांचक तीन गेम वाले मुकाबले में हराया। कांटे का रहा मुकाबला पहले गेम में सत्विक-चिराग ने मलेशियाई जोड़ी को 21-14 से आसानी से हरा दिया। लेकिन दूसरे गेम में वे थोड़े चूक गए और 20-22 से हार गए, जिससे स्कोर 1-1 हो गया। फिर तीसरे और निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी की। वे 21-16 से जीतकर टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की कर ली। यह मैच एक घंटे से ज्यादा समय तक चला। इसमें सात्विक-चिराग शुरू से मैच में अपनी पकड़ बनाए रखा। अब सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में चाइनीज ताइपेई के चेन चेंग कुआन और लिन बिंग-वेई का सामना करेंगे।

बैडमिंटन

लक्ष्य सेन ने प्रणय को हराया

भारतीय सिंगल्स खिलाड़ी और वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-20 लक्ष्य सेन ने भी शानदार खेल दिखाते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने अपने ही देश के खिलाड़ी एचएस प्रणय (वर्ल्ड रैंक 34) को 15-21, 21-18, 21-10 से मात दी।

थाईलैंड की जोड़ी को हरा कर क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया इससे पहले, गुरुवार को सत्विक-चिराग ने थाईलैंड के पीराटचाई सुकफुन और पक्कापोन टीरारतसाकुल को हरा कर क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया था। उन्होंनें एक घंटे 3 मिनट तक चले मुकाबले में एक गेम से पिछड़ने के बाद 18-21, 21-15, 21-11 से हराकर अंतिम-8 में प्रवेश किया था।

इस मैच में लक्ष्य की शुरुआत धीमी रही और प्रणय ने पहला गेम 21-15 से जीत लिया। हालांकि दूसरे गेम में लक्ष्य ने वापसी की। 11-9 से पीछे रहने के बाद उन्होंने शानदार खेल दिखाया और 21-18 से गेम जीत लिया। निर्णायक गेम में लक्ष्य ने पूरी तरह से मैच पर पकड़ बना ली और 21-10 से आसान जीत दर्ज की।

शम्भूनाथ जी मिश्रा द्वारा संगठन क़े पदाधिकारीयों एबं सदस्यों की बैठक सम्पन्न हुई एवं नव नियुक्त पदाधिकारीयों क़े नियुक्ति पत्र और पहचान पत्र का वितरण किया गया

रणजीत टाइम्स

राष्ट्रीय मानव अधिकार संगठन नई दिल्ली क़े इंदौर संभाग इंदौर क़े संभागीय अध्यक्ष श्री शम्भूनाथ जी मिश्रा द्वारा संगठन क़े पदाधिकारीयों एबं सदस्यों की बैठक आयोजित की गयी जिसमें नव नियुक्त पदाधिकारीयों क़े नियुक्ति पत्र और पहचान पत्र का वितरण किया गया I संगठन क़े समितियों क़े कार्यकारिणी का गठन किया जाकर उद्देश्यों क़े संबंध में गहन चर्चा एबं विचार विमर्श किया गया

I संगठन क़े संभागीय महासचिव श्री राजीव शर्मा जी का जन्मदिन भी संगठन द्वारा मनाया गया I संगठन क़े संभागीय अध्यक्ष श्री मिश्रा जी एबं अन्य पदाधिकारी द्वारा नशा मुक्ति, महिला सशक्तिकरण आदि अन्य कार्यों का विस्तार से चर्चा की गयी I आज की सफल आयोजित बैठक में जिले एबं संभाग क़े मुख्य पदाधिकारी एबं सदस्यों ने भाग लिया..... संतोष आर्य, संभागीय मिडिया प्रभारी, इंदौर संभाग इंदौर, मध्य प्रदेश

इंदौर मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहां जाने वाला शहर

खड्डों में भी नंबर वन

जहां इंदौर शहर को निरंतर विकास के लिए पहचाना जाता है वहीं रोड के मामले में देखते हुए अब तो शर्म सी आने लगी है स्वच्छता में नंबर वन कहा जाता है तो रोड के खड्डों में भी नंबर वन कहा जाता है जहां एक तरफ सरकार कहती है कि टोल टैक्स नहीं दिया जाएगा आगर रोड खराब है हाईवे खराब है नेशनल हाईवे पर वही कुछ एक टोल कर्मी अपने आप को सरकार से भी ऊपर मानते हुए अवैध तरीके से टोल वसूल रहे हैं खुलेआम और जब उनसे बात की जाती है तो बदतमीजी करते हुए कहते हैं सरकार को हम पैसा देते हैं सरकार के कहने से हम कोई टोल नहीं छोड़ते जो निकलेगा वह टोल देकर जाएगा सड़क खराब है हमारी जवाबदारी नहीं ब्रिज नहीं बने हमारी जवाबदारी नहीं अगर इसी तरह का माहौल रहा तो कैसे लोग अपना सफर तय करेंगे जो सफर तीन से चार घंटे का होता है वही सड़क पर खड्डो की वजह से सफर 8 से 10 घंटे का हो जाता है सरकार ने तो अपना भाषण देकर किनारा कर लिया लेकिन मुसीबत तो आम नागरिक झेल रहे हैं मंत्री मुख्यमंत्री हवा में सफर करते हैं लेकिन जनता तो रोड पर ही चलती है इसके लिए क्या सोचा है मनमर्जी का टैक्स लेना मन मुताबिक टोल टैक्स लेना और उसके ऊपर परेशान तो सिर्फ जनता ही है आखिर आम लोगों की क्या गलती है क्यों नहीं रोड सुधारे जाये क्यों नहीं ब्रिज टाइम पर बना रहे टोल टैक्स वाले क्यों अपनी मनमर्जी से टोल काट रहे

जनता के साथ ऐसा व्यवहार क्यों किया जा रहा क्या सिर्फ वोट के ही समय जनता दिखाई देती है आखिर इनकी कौन सुनेगा फरियाद ऐसे टोल कर्मियों पर कब होगी कार्रवाई जहां ब्रिज बनाए जा रहे हैं वहां कोई सुरक्षा क्यों नहीं दोनों साइड गड्ढे पड़े हुए हैं जिनमे पानी भरा हुआ है सड़क पर क्यों नहीं सुरक्षा के इंतजाम कौन देगा इसका जवाब कौन करेगा इन पर कार्यवाही।

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की
अग्रिम शुभ सूचना
"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या
अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क
प्रकाशित करवा सकते हैं!
बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो
2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।
भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278
रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"
रणजीत टाइम्स

मक्का मदीना से उमराह कर वतन वापसी पर बैग का स्वागत

आदित्य शर्मा

एडवोकेट चैंबर में आज गुरु स्वामी श्री अरुणानंद जी महाराज साहेब ने ओर पूर्व राज्य मंत्री दिलीप राजपाल की उपस्थिति में संस्था सर्वधर्म संघ के अध्यक्ष मंजूर बैग जो की 20 दिन मक्का मदीना के जियारत कर वापस अपने वतन लौटे श्री बैग का हार माला ओर शॉल पहन कर उपस्थित एडवोकेट बंधुओ ने सम्मान कर स्वागत किया इस अवसर पर कार्यक्रम में शामिल हुए पूर्व जज विवेक मरकाम, मां साध्वी श्री अनंता देवी, शफीक बाबा वारसी, अब्दुल गफ्फार खान स्वतंत्रता सेनानी,अनवर खान संपादक, किसन भालसे, वरिष्ठ पत्रकार नियामत ख़ान , एडवोकट समीर बैग , रियाज ख़ान साधना सिंह पत्रकार स्वामी जी ने आशीर्वाद स्वरूप सभी के लिए ओर देश की खुश हाली के लिए दुआ करने पर शुभकामनाएं दी और कहा मंजूर बैग सर्व धर्म मानव समाज की सेवा में सदा ही तत्पर रहते है और सभी धर्मों के लोगों की मदद में आगे रहते है आगे भी अच्छे कार्य करते रहे जिससे देश मानव जीवन में शांति और प्रेम बना रहे यही कामना की।

सहज स्वभाव में स्थित व्यक्ति अजेय होता है : श्री माताजी

सहजयोग श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रतिस्थापित एक जीवंत वैज्ञानिक पद्धति है। सहजयोग कोई यौगिक अथवा शारीरिक क्रिया नहीं है वरन् सहजता से जीवन को जीना है। सहज रूप से जब हमारा योग अर्थात् जुड़ना परम शक्ति से हो जाता है तब हम सहजयोगी हो जाते हैं।

सहजयोग कोई नई विचारधारा, संप्रदाय अथवा धर्म नहीं है यह तो संपूर्ण सृष्टि को चलायमान रखने वाला परमात्मा का यंत्र है। मनुष्य को परमशक्ति द्वारा बुद्धि प्रदान कर विचारों की स्वतंत्रता प्रदान की गई और इसी बुद्धि ने उसे असहज बना दिया। मानव जाति को इस भटकाव से बचाने के लिए अनेक अवतार, गुरु, व संत इस संसार में समय समय पर परमात्मा की इच्छा से अवतरित हुए और सभी ने सहजता की ही बात की व सहज जीवन को ही जिया।

भारत में अनेकानेक ऐसे संत हुए हैं जो अपने गुणों के द्वारा देव तुल्य हो गए। ऐसे ही संत कबीर दास जी का नाम संतों की अग्रिम पंक्ति में लिया जाता है। जीवन की सहजता का वर्णन संत कबीर दास जी ने अपने दोहे में इस प्रकार किया है कि, सहज सहज सब कोई कहै,सहज न चीन्हें कोय | जिन सहजै विषया तजै, सहज कहावै सोय || अर्थात् सहज - सहज सब कहते हैं, परन्तु उसे समझते नहीं जिन्होंने सहजरूप से विषय - वासनाओं का परित्याग कर दिया है, उनकी निर्विषय-स्थिति ही सहज कहलाती है।

कबीर दास जी द्वारा वर्णित इसी सहजता की प्राप्ति सहजयोग में श्री माताजी के सानिध्य व कृपा में आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति के पश्चात् होती है। हम अपने सहज स्वभाव में स्थित रहने लगते हैं व समस्त दुश्चिंताओं से शारीरिक कष्टों से मुक्ति संभव हो जाती है। इस का वर्णन करते हुए श्री माताजी ने कहा है कि, "जब आप भगवान के साम्राज्य में खड़े होते हैं खुशी के साम्राज्य में तो हर हाल में तुम राजा और रानी बनते हो। कोई भी आपको खरीद नहीं सकता या आप पर विजय प्राप्त नहीं कर सकता। आप सब कुछ जीत लेते हैं।" सहजयोग ध्यान का आनंद और अनगिनत लाभ लेने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।